

SUNDAY

पत्रिका

सेंट्रल टर्मिनल
दिन गुजरती
हैं 660 ट्रेनें

ज @12

पत्रिका. भोपाल, रविवार, 09 अप्रैल 2023

www.patrika

#LECTURE: मद्र उर्दू अकादमी में मीर तक़ी मीर पर ब्याख्यान

खुद-ए-सुखन मीर ऐसा शायर है जिसकी महानता को हर शायर ने स्वीकार किया..

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

भोपाल. मद्र उर्दू अकादमी की ओर से राज्य संग्रहालय में 'सिलसिला' के तहत मीर तक़ी मीर के 300वीं जयंती समारोह पर 'मुस्तनद है मेरा फरमाया हुआ' शीर्षक पर ब्याख्यान हुआ।

उर्दू अकादमी निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने कहा कि इस संगोष्ठी के माध्यम से शहर के नए रचनाकार और विशेष रूप से शोधार्थी यह जान सकेंगे कि उर्दू शायरी में मीर को खुद-ए-सुखन क्यों कहा जाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी को उर्दू के महान शायरों के योगदान से अवगत कराना है। कार्यक्रम में मीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर कनाडा के प्रसिद्ध विद्वान और साहित्यकार डॉ. तक़ी आबिदी, जिया फारूकी और डॉ. अजीज इरफान वक्तव्य पेश किया। कार्यक्रम का संचालन मेहमूद मलिक ने किया।



मीर के शेरों में जिंदगी का हर रंग

वरिष्ठ साहित्यकार जिया फारूकी ने कहा कि मीर के शेरों में जिंदगी का हर रंग मौजूद है। कहीं गम ए जमाना के रंग हैं और कहीं गम ए जाना के। उनके शेर भले ही लाख खास पसंद हों मगर उनकी बातचीत आम इंसानों से है। इसीलिए उन्होंने आम लोगों की दिलचस्पी के लिए उन विषयों को भी शेरों में ढाला है जिनसे आम आदमी का प्रतिनिधित्व हो सके। वरिष्ठ

साहित्यकार डॉ. अजीज इरफान ने कहा कि मीर की कल्पनाशीलता जमीनी है और उन्होंने रोजमर्रा की जिंदगी को शायरी की जबान बनाया है। उन्हें दैनिक जीवन की घटनाओं से लगाव है। मीर का जादू हमें हर वकूत बेकल भी रखता है और हैबत जदा भी। हम जा बजा दिल शिकस्ता भी होते हैं और एक अनजानी सी ताक़त भी अपने अंदर महसूस करते हैं।

सूफी पिता के बेटे

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे और कनाडा के उर्दू के प्रसिद्ध विद्वान डॉ. तक़ी आबिदी ने मीर की जीवनी जकी मीर के बारे में बात करते हुए कहा कि मीर के प्रारम्भिक जीवन के प्रभाव उनकी शायरी में हमेशा नुमायां रहे। मीर चूँकि सूफी बाप के बेटे थे फिर जीवन के हजार रंग उन्होंने देखे, वो सारे रंग मीर के यहां किसी ना किसी सतह पर मौजूद हैं। मीर की महानता को खुद उनके जीवन काल में उनके समकालीनों ने स्वीकार किया है। इस सिलसिले में उन्होंने सौदा का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि मीर एक ऐसा शायर है जिसकी महानता को हर शायर ने और हर दौर में स्वीकार किया गया है।

मीर तकी मीर पर व्याख्यान

मीर के शेरों में जिंदगी के हर रंग मौजूद हैं

सिटी रिपोर्टर . भोपाल

मीर एक ऐसे शायर हैं, जिनकी महानता को हर शायर और हर दौर में सराहा गया है। यह बात कनाडा से आए उर्दू के प्रसिद्ध विद्वान डॉ. तकी आबिदी ने कही। मौका था राज्य संग्रहालय सभागार में मध्यप्रदेश



उर्दू अकादमी द्वारा मीर तकी मीर की 300वीं जयंती समारोह पर 'मुस्तनद है मेरा फरमाया हुआ' कार्यक्रम का।

उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेंहदी ने कहा कि इस संगोष्ठी में नए रचनाकार और विशेष रूप से रिसर्चर्स यह जान सकेंगे कि उर्दू शायरी में मीर को खुदा-ए-सुखन क्यों कहा जाता है। मीर की पंक्ति मुस्तनद है मेरा फरमाया हुआ पर आधारित इस कार्यक्रम में युवा पीढ़ी उर्दू के इस महान

शायर के योगदान को जान सकेगी। साहित्यकार जिया फारूकी ने कहा कि मीर के शेरों में जिंदगी का हर रंग मौजूद है। कहीं गम-ए-जमाना तो कहीं गम-ए-जाना के रंग हैं। उनके शेर भले ही खास पसंद हों, लेकिन उनकी बातचीत आम इंसानों से है।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अजीज इरफान ने कहा कि मीर की कल्पनाशीलता जमीनी है और उन्होंने रोजमर्रा की जिंदगी को शायरी की जुबां बनाया है। उन्हें दैनिक जीवन की घटनाओं से लगाव है। मीर का जादू हमें हर वक्त बेकल भी रखता है और हैबत जदा भी। कार्यक्रम का संचालन मेहमूद मलिक द्वारा किया जाएगा।



Image

Text

मीर ऐसे शायर थे जिन्हें हर दौर में स्वीकार किया

मप्र उर्दू अकादमी द्वारा 'मीर तकी मीर' पर व्याख्यान

रिपोर्टर • IamBhopal

Mobile no. 8989210501

राज्य संग्रहालय में मप्र उर्दू अकादमी की ओर से मीर तकी मीर की 300वीं जयंती समारोह के अवसर पर 'मुस्तनद है मेरा फरमाया हुआ' पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कनाडा से पधारे उर्दू के प्रसिद्ध विद्वान डॉ. तकी आबिदी विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी मौजूद रहीं। इस दौरान डॉ. तकी आबिदी ने कहा कि मीर के प्रारंभिक जीवन का प्रभाव उनकी शायरी में



हमेशा नुमायां रहा। मीर चूँकि सूफी पिता के बेटे थे, फिर भी जीवन के हजार रंग उन्होंने देखे। वो सारे रंग मीर के यहां किसी न किसी सतह पर मौजूद हैं। मीर की महानता को खुद उनके जीवन काल में उनके समकालीनों ने स्वीकार किया है। मीर एक ऐसे शायर हैं जिनकी महानता को हर शायर ने और हर दौर में स्वीकार किया गया है।

शनिवार को मनाया गया। समिति के दक्षिण ने अपने अनुभव साझा किए। यह मरे लिए एक बड़ा अवसर है। स्टूडेंट्स (नस्ट) द्वारा सम्मानित किया। प्रकाशित हा चुक है।



हरिमूमि न्यूज ॥ गोपाल

मप्र उर्दू अकादमी ने मीर तक़ी मीर पर व्याख्यान किया आयोजित

मीर के प्रारंभिक जीवन के प्रभाव उनकी शायरी में हमेशा नुमायां रहे, मीर के रंग किसी सतह पर मौजूद हैं: डॉ. आबिदी

मप्र उर्दू अकादमी द्वारा मीर तक़ी मीर 300वीं जयंती के मौके पर सिलसिला के अंतर्गत 'मुस्तनद है मेरा फरमाया हुआ' शीर्षक पर आधारित व्याख्यान का आयोजन राज्य संग्रहालय में किया गया। उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने कहा कि मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा आयोजित सिलसिला संगोष्ठी इस बार मीर तक़ी मीर को समर्पित है। संगोष्ठी में नए रचनाकार एवं विशेष रूप से शोधार्थी यह जान सकेंगे कि उर्दू शायरी में मीर को खुदा ए सुखन क्यों कहा जाता है। मीर की पंक्ति मुस्तनद है मेरा फरमाया हुआ पर आधारित इस कार्यक्रम में युवा पीढ़ी उर्दू के इस महान शायर के योगदान को जान सकेगी।



सूफी बाप के बेटे, मीर ने जीवन के हजार रंग देखे

अध्यक्षता कर रहे और कनाडा से पधारे उर्दू के प्रसिद्ध विद्वान डॉ. तक़ी आबिदी ने इस आयोजन पर बधाई देते हुए मीर की जीवनी जिक्रे मीर के बारे में बात करते हुए कहा कि मीर के प्रारंभिक जीवन के प्रभाव उनकी शायरी में हमेशा नुमायां रहे। मीर चूंकि सूफी बाप के बेटे थे, फिर जीवन के हजार रंग उन्होंने देखे, वो सारे रंग मीर के यहां किसी ना किसी सतह पर मौजूद हैं।

मीर की कल्पनाशीलता जमीनी

गोपाल के वरिष्ठ साहित्यकार जिया फारूकी ने कहा मीर के शेरों में जिंदगी का हर रंग मौजूद है। इंदौर से वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अजीज इरफान ने कहा मीर की कल्पनाशीलता जमीनी है, रोजमरा की जिंदगी को शायरी की जवान बनाया।

मीर की महानता को हर शायर ने अपने दौर में स्वीकार किया



जागरण सिटी रिपोर्टर। मीर के प्रारम्भिक जीवन का प्रभाव उनकी शायरी में हमेशा नुमायां रहा। मीर चूंकि सूफी बाप के बेटे थे फिर भी जीवन के हजार रंग उन्होंने देखे। वो सारे रंग मीर के यहां किसी ना किसी सतह पर मौजूद हैं। मीर की महानता को खुद उनके जीवन काल में उनके समकालीनों ने स्वीकार किया है। मीर एक ऐसा शायर है जिसकी महानता को हर शायर ने और हर दौर में स्वीकार किया गया है। यह बात मप्र उर्दू अकादमी द्वारा 'मीर तकी मीर' पर आयोजित व्याख्यान में कनाडा से पधारे उर्दू के प्रसिद्ध विद्वान डॉ. तकी आबिदी ने अपने उद्बोधन में कही। मप्र उर्दू अकादमी द्वारा मीर तकी मीर की 300वीं जयंती समारोह के अवसर पर यह कार्यक्रम राज्य संग्रहालय में आयोजित किया गया।

**मप्र उर्दू अकादमी द्वारा
'मीर तकी मीर' पर
व्याख्यान आयोजित**

खुदा ए सुखन मीर एक ऐसा शायर है जिसकी महानता को हर शायर ने और हर दौर में स्वीकार किया गया है : डॉ. तकी आबिदी

मध्य डॉ. अकबरुद्दीन द्वारा मीर तकी मीर पर व्याख्यान आयोजित

श्रीपाल 08 अक्टूबर (प्रेस मीर)। मध्यप्रदेश डॉ. अकबरुद्दीन, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा मीर तकी मीर 300वीं जयंती समारोह के अवसर पर मिलाजिला के अंतर्गत मुरादाबाद में मीर पर प्रस्ताव हुआ शीर्षक पर आधारित व्याख्यान 8 अक्टूबर, 2023 दोपहर 02.00 बजे राज्य संग्रहालय सभागार, इन्दौर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. अकबरुद्दीन की निदेशक डॉ. नुसरत मेहता अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्व में आज सभी जानते हैं कि इस वर्ष विश्व स्तर पर डॉ. के सुविख्यात शायर मीर तकी मीर को 300वीं जयंती मनाई जा रही है। मध्यप्रदेश डॉ. अकबरुद्दीन द्वारा आयोजित मिलाजिला संगीरी इस बार मीर तकी मीर को समर्पित है। संगीरी में नए रचनाकार एवं विशेष रूप से शोधार्थी यह जान सकेंगे कि डॉ. मीर तकी मीर की खूदा ए सु 7न क्यों कहा जाता है।



मीर की शक्ति मुझमें है मीर परमात्मा हुआ पर आधारित इस कार्यक्रम में युवा पीढ़ी डॉ. के इस महान शायर के योगदान को जान सकेंगी। इस कार्यक्रम में मीर के व्यक्तित्व

एवं कृतित्व पर प्रसिद्ध विद्वान एवं साहित्यकार डॉ. तकी आबिदी, कनादा, विश्व परम्परा श्रीपाल एवं डॉ. अलीश इराकन, इन्दौर, मीर तकी मीर पर बहकाम्य पेश कर रहे हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता का रहे और कनादा से पधारे डॉ. के प्रसिद्ध विद्वान डॉ. तकी आबिदी ने अपने उद्घोषण के प्रारंभ में राज्य प्रदेश डॉ. अकबरुद्दीन को इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के आयोजन पर बधाई देते हुए मीर को जर्मनी शिको मीर के बारे में बता करते हुए कहा कि मीर के उत्तराधिकारी जीवन के प्रथम उनकी शायरी में होना सुधारों रहे। मीर की सुधुने काय के बने थे फिर जीवन के हज़ार रंग उन्होंने देखे, वो सारे रंग मीर के पार्श्व किसी न किसी मास पर घीसुर हैं। मीर की महानता को सुद उनके जीवन काल में उनके सामकालीनों ने स्वीकार किया है। इस मिलाजिले में उन्होंने मीर का इकलत दिया। उन्होंने आगे कहा कि मीर एक ऐसा शायर है जिसकी महानता को हर शायर ने और हर दौर में स्वीकार किया गया है। डॉ. नुसरत मेहता के उद्घोष में संक्षिप्त प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि मीर के पार्श्व वो तस्वीरें के अलावा हैं उनके अंदर सादरी और सुद इतिहासी नया है। उन्होंने मीर के इस शेर पर भी गहराई से प्रकाश डाला।

पानुकी उनके लक्ष को क्या कहिये पेशुड़ी एक मुलायम की सी है

श्रीपाल के शीख साहित्यकार ज़िया फ़ारुकी ने कहा कि मीर के शेरों में ज़िंदगी का हर रंग घीसुर है। कहीं गुण ए ज़ुबान के रंग हैं और कहीं गुण ए जानी के। उनके शेर भले हो लताख ख़ुदा पार्श्व वी मगर उनकी काव्यशक्ति आज इंसाज़ों से है। इतिहासी उन्होंने आज आरक्षणों की विलक्षणता के लिए उन्होंने उन विषयों को भी शेरों में छलत है जिनमें आज आरक्षण का प्रतिनिधित्व हो सके। इंदौर से पधारे शीख साहित्यकार डॉ. अलीश इराकन ने कहा कि मीर की कल्पनाशीलता ज़ुबानी है और उन्होंने रोशुमार की ज़िंदगी को शायरी को ज़ुबान बताया है। उन्हें वैश्विक जीवन की घटनाओं से लगान है। मीर का ख़ुद हमें हर सकुट केकल भी रखता है और हैबल जुद भी। हम 'तब कजा दिल लिबनत भी होते हैं और एक अनजानी सी लाक़त भी अपने अंदर पाहचूस करते हैं। कार्यक्रम का संचालन मेहता सुद चरितक द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर ज़िये डॉ. में भला लेने सारी जीवन मारक के प्रतिभागीनों को प्रमाण पर भी विश्वास किया गया। कार्यक्रम के अंत में अकबरुद्दीन को निदेशक डॉ. नुसरत मेहता ने सही शोताओं का आधार व्यक्त किया।

कार्यक्रम

मग़ उर्दू अकादमी द्वारा मीर तकी मीर पर व्याख्यान आयोजित

मीर के प्रारंभिक जीवन के प्रभाव उनकी शायरी में हमेशा नुमायां रहे: डॉ. तकी

भोपाल (आरएनएन)। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा मीर तकी मीर की 300वीं जयंती समारोह के अवसर पर मुस्तनद है मेरा फरमाया हुआ शीर्षक पर आधारित व्याख्यान का शनिवार को राज्य संग्रहालय में आयोजन किया गया। उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने कहा कि इस वर्ष सिलसिला संगोष्ठी इस बार मीर तकी मीर को समर्पित है। इस कार्यक्रम में मीर के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रसिद्ध विद्वान एवं साहित्यकारों ने प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. तकी ने कहा कि मीर के प्रारंभिक जीवन के प्रभाव उनकी शायरी में हमेशा नुमायां रहे। मीर चूक सूपनी बाप के बेटे थे फिर जीवन के हजार रंग उन्होंने देखे, वो सारे रंग मीर के यहाँ किसी ना किसी सतह पर मौजूद हैं। मीर की महानता को खुद उनके जीवन काल में उनके समकालीनों ने स्वीकार किया है। उन्होंने मीर का



शेर नाजुकी उसके लब की क्या कहिये, पंखुड़ी इक गुलाब की सी है ... पढ़कर समां बांध दिया। इस मौके पर शहर की जिया फारूकी ने कहा कि मीर के शेरों में जिंदगी का हर रंग मौजूद हैं। कहीं गम ए जमाना के रंग हैं और कहीं गम ए जानां के। उन्होंने आम लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले विषयों को शेरों में ढाला है। इंदौर से पधारे वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अजीज इरफान ने कहा कि मीर ने रोजमर्रा की जिंदगी को शायरी की जवान बनाया है। मीर का जादू हमें हर वक्त बेकल भी रखता है और हैबत जदा भी। हम जा बजा दिल शिकस्ता भी होते हैं और एक अनजानी सी ताकत भी अपने अंदर महसूस करते हैं। कार्यक्रम का संचालन महमूद मलिक द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर जश्ने उर्दू में भाग लेने वाले ओपन माइक के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

स्वदेश

www.Swadesh.in

भोपाल, रविवार 9 अप्रैल, 2023

300 वीं जयंती
पर उर्दू अकादमी ने
किया आयोजन

जमीन से जुड़े हुए शायर थे 'मीर तकी मीर'

स्वदेश संवाददाता, भोपाल



मेरा फरमाया हुआ पर आधारित इस कार्यक्रम में युवा पीढ़ी उर्दू के इस महान शायर के योगदान को जान सकेगी। इस कार्यक्रम में मीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रसिद्ध विद्वान एवं साहित्यकार डॉ. तकी आबिदी, कनाडा, जिया फारूकी भोपाल एवं डॉ. अजीत इरफान इन्दौर ने मीर तकी मीर पर वक्तव्य दिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे और कनाडा से पधारे उर्दू के प्रसिद्ध विद्वान डॉ. तकी आबिदी ने अपने

उद्बोधन के प्रारम्भ में मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी को इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के आयोजन पर बधाई देते हुए मीर की जीवनी जिक्ररे मीर के बारे में बात करते हुए कहा कि मीर के प्रारम्भिक जीवन के प्रभाव उनकी शायरी में हमेशा नुमायां रहे। मीर चूँकि सूफ़ी पिता के बेटे थे फिर जीवन के हजार रंग उन्होंने देखे, वो सारे रंग मीर के यहां किसी ना किसी सतह पर मौजूद हैं। मीर की महानता को खुद उनके जीवन काल में उनके समकालीनों ने स्वीकार किया है। इस सिलसिले में उन्होंने सौदा का हवाला दिया। भोपाल के वरिष्ठ साहित्यकार जिया फारूकी ने कहा कि मीर के शेरों में जिंदगी का हर रंग मौजूद है। कहीं गम ए जमाना के रंग हैं और कहीं गम ए जानां के। इंदौर से पधारे वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अजीत इरफान ने कहा कि मीर की कल्पनाशीलता जमीनी है और उन्होंने रोज़मर्रा की जिंदगी को शायरी की ज़बान बनाया है। उन्हें दैनिक जीवन की घटनाओं से लगाव है।

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा मीर तकी मीर 300 वीं जयंती समारोह के अवसर पर सिलसिला के अंतर्गत मुस्तनद है मेरा फरमाया हुआ शीर्षक पर आधारित व्याख्यान राज्य संग्रहालय सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कि इस वर्ष विश्व स्तर पर उर्दू के सुविख्यात शायर मीर तकी मीर की 300 वीं जयंती मनाई जा रही है।

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा आयोजित सिलसिला संगोष्ठी इस बार मीर तकी मीर को समर्पित है। संगोष्ठी में नए रचनाकार एवं विशेष रूप से शोधार्थी यह जान सकेंगे कि उर्दू शायरी में मीर को खुदा ए सुखन क्यों कहा जाता है। मीर की पंक्ति मुस्तनद है

मीर तकी मीर के शेरों में जिंदगी का हर रंग मौजूद है

इस वर्ष विश्व स्तर पर उर्दू के सुविख्यात शायर मीर तकी मीर की 300वीं जयंती मनाई जा रही है। इसी के तहत मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा सिलसिला के अंतर्गत "मुस्तनद है मेरा फरमाया हुआ" शीर्षक पर आधारित व्याख्यान राज्य संग्रहालय सभागार में शनिवार को आयोजित किया गया। इसके माध्यम से शोधार्थी यह जान सके कि उर्दू शायरी में मीर को खुदा-ए-सुखन क्यों कहा जाता है। कार्यक्रम में मीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रसिद्ध विद्वान एवं साहित्यकार डा. तकी आबिदी, कनाडा, जिया फारूकी भोपाल एवं डा. अजीज इरफान ने वक्तव्य



शायर मीर तकी मीर की 300वीं जयंती पर मग़ उर्दू अकादमी द्वारा आयोजित व्याख्यान में अपने विचार रखते अतिथि एवं मंच पर मौजूद विद्वान। ● नवदुनिया

दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे और कनाडा से पधारे उर्दू के प्रसिद्ध विद्वान डा. तकी आबिदी ने अपने उद्बोधन में मीर की जीवनी के बारे में बात करते हुए कहा कि मीर के प्रारंभिक जीवन के प्रभाव

उनकी शायरी में हमेशा नुमायां रहे। मीर चूंकि सूफी बाप के बेटे थे फिर जीवन के हजार रंग उन्होंने देखे, वो सारे रंग मीर के यहाँ किसी न किसी सतह पर मौजूद हैं। मीर की महानता को खद उनके जीवन काल में उनके

समकालीनों ने स्वीकार किया है। इस सिलसिले में उन्होंने सौदा का हवाला दिया। उन्होंने आगे कहा कि मीर एक ऐसा शायर है जिसकी महानता को हर शायर ने और हर दौर में स्वीकार किया है। डा. नुसरत मेहदी के तअल्ली से संबंधित प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि मीर के यहां जो तअल्ली के अशआर हैं उनके अंदर तहदारी और खुद इतिमादी ज्यादा है। नाशुकी उसके लब की क्या कहिये, पंखुड़ी इक गुलाब की सी है...। भोपाल के वरिष्ठ साहित्यकार जिया फारूकी ने कहा कि मीर के शेरों में जिंदगी का हर रंग मौजूद हैं। कहीं गम-ए-जमाना के रंग हैं और कहीं गम-ए-जानां के। उनके

शेर भले ही लाख खास पसंद हों मगर उनकी बातचीत आम इंसानों से है। इसीलिए आम आदमियों की दिलचस्पी के लिए उन्होंने उन विषयों को भी शेरों में ढाला है, जिनसे आम आदमी का प्रतिनिधित्व हो सके। इंदौर से पधारे वरिष्ठ साहित्यकार डा. अजीज इरफान ने कहा कि मीर की कल्पनाशीलता जमीनी है और उन्होंने रोजमर्रा की जिंदगी को शायरी की जबान बनाया है। उन्हें दैनिक जीवन की घटनाओं से लगाव है। मीर का जादू हमें हर वक्त बेकल भी रखता है और है बत जदा भी। हम जा बजों दिल शिकस्ता भी होते हैं और एक अनजानी सी ताकत भी अंदर महसूस करने दे

देशिक हिन्दी एख्यान
भोपाल

09.04.2023

खुदा ए सुखन मीर एक ऐसा शायर है जिसकी महानता को हर शायर ने और हर दौर में स्वीकार किया गया है : डॉ. तकी आबिदी

मग्न उर्दू अकादमी द्वारा मीर तकी मीर
पर व्याख्यान आयोजित



मीर की चकि मुलानद है मेरा फरमाया हुआ पर आधारित
इस कार्यक्रम में युवा पीढ़ी उर्दू के इस महान शायर के
योगदान को जान सकेगी। इस कार्यक्रम में मीर के व्यक्तित्व

एवं कृतित्व पर प्रसिद्ध विद्वान एवं साहित्यकार डॉ. तकी
आबिदी, कनाडा, जिया फारूकी भोपाल एवं डॉ. अजीज
इरफान, इन्दौर, मीर तकी मीर पर वक्तव्य पेश कर रहे हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे और कनाडा से पधारे उर्दू
के प्रसिद्ध विद्वान डॉ. तकी आबिदी ने अपने उद्बोधन के
प्रारम्भ में मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी को इस महत्वपूर्ण
कार्यक्रम के आयोजन पर बधाई देते हुए मीर को जीवनी जिक्रे
मीर के बारे में बात करते हुए कहा कि मीर के प्रारम्भिक जीवन
के प्रभाव इनकी शायरी में हमेशा नुमाया रहे। मीर चूँकि सूफ़ी
बाप के बेटे थे फिर जीवन के हज़ार रंग उन्होंने देखे, वो सारे
रंग मीर के बहाने किसी ना किसी सतह पर मौजूद हैं। मीर की
महानता को खुद उनके जीवन काल में उनके समकालीनों ने
स्वीकार किया है। इस सिलसिले में उन्होंने सौदा का हवाला
दिया। उन्होंने आगे कहा कि मीर एक ऐसा शायर है जिसकी
महानता को हर शायर ने और हर दौर में स्वीकार किया गया
है। डॉ. नुसरत मेहदी के तआली से संबंधित प्रश्न का उत्तर देते
हुए उन्होंने कहा कि मीर के यहाँ जो तआली के अशआर हैं
उन्के अंदर तहदी और खुद इतिहादी न्यादा हैं। उन्होंने मीर
के इस शेर पर भी गहराई से प्रकाश डाला।

नानुकी उसके लव की क्या कहिये
पछुड़ी इक गुलाब की सी है

भोपाल के वरिष्ठ साहित्यकार जिया फारूकी ने कहा
कि मीर के शेरों में जदिगी का हर रंग मौजूद हैं। कहीं गुम
ए जमाना के रंग हैं और कहीं गुम ए जानी के। उनके शेर
भले ही लाख ख़ास पसंद हों मगर उनकी बातचीत आम
इंसानों से है। इसीलिए उन्होंने आम आदमियों की दिलचस्पी
के लिए उन्होंने उन विषयों को भी शेरों में डाला है जिनसे
आम आदमी का प्रतिनिधित्व हो सके। इंदौर से पधारे वरिष्ठ
साहित्यकार डॉ. अजीज इरफान ने कहा कि मीर की
कल्पनाशीलता ज़मीनी है और उन्होंने रोज़मर्रा की जदिगी
को शायरी की ज़बान बनाया है। उन्हें दैनिक जीवन की
घटनाओं से लगाव है। मीर का जादू हमें हर वक़्त बेकल
भी रखता है और हैबत जुदा भी। हम जा बजा दिल शिकरस्ता
भी होते हैं और एक अनजानी सी ताकत भी अपने अंदर
महसूस करते हैं। कार्यक्रम का संचालन मेहमूद मलिक द्वारा
किया जाएगा। इस अवसर पर ज़रने उर्दू में भाग लेने वाले
ओपन माइक के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित
किये गये। कार्यक्रम के अंत में अकादमी की निदेशक डॉ.
नुसरत मेहदी ने सभी श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।



hi Sunday 09-04-2023

بہار، یوپی، تلنگانہ

الحزنیات

خدائے سخن میر ایک ایسا شاعر ہے جس کی عظمت کا اعتراف ہر شاعر نے اور ہر صاحب علم نے کیا ہے

"ایم پی اردو اکادمی کے ذریعے میر تقی میر کی حیات و خدمات پر سیمینار منعقد"



الحیات نیوز سروس

بھوپال: مدھیہ پردیش اردو اکادمی محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام سلسلے کے تحت سرمد سالانہ جلسہ میر کے موقع پر "مستند سے میر فرمایا ہوا" عنوان پر پٹی سینیئر پبلشر 18 اپریل 2023 کو دوپہر 2 بجے اسٹیم میوزیم آڈیٹوریئم، شاملا، بھوپال میں منعقد کیا گیا جس میں ملک و بیرون ملک کے ممتاز دانشوروں نے شرکت کی۔ اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت حمیدی نے شاعری کی شروعات میں مہمانان کا استقبال کرنے کے بعد پروگرام کے اجراء میں وقاصد پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا: میرا کہ میر کی جانتے ہیں کہ ان وقت دنیا میں اردو کے کچھ شاعر میر تقی میر کا سرمد سالانہ جلسہ منایا جا رہا ہے۔ مدھیہ پردیش اردو اکادمی کا آج کا یہ پروگرام بھی اسی سلسلے کی اہم کڑی ہے اور یہ پروگرام میر تقی میر کو موموں ہے۔ اس پروگرام میں سنیہر کلکتہ کلاز سوسائٹیز اور گولڈی جان سیکس کے اردو شاعری میں میر تقی میر کو "خدائے سخن" کیوں کہا جاتا ہے، میر کا

عوام کی دلچسپی کے لیے انھوں نے ان موضوعات کو بھی شعری قالب میں ڈھالا ہے جن سے مام عوام کے جذبات و احساسات کی ترجمانی ہو سکے۔ اردو سے تشریف لائے سینئر ادیب ڈاکٹر عزیز عرفان نے میر کے شعری رویوں پر گفتگو کرتے ہوئے کہا کہ میر کا تخلیق دہشتی ہے اور انھیں روزمرہ کی زندگی اور اس کے واقعات سے بہت شغف ہے۔ میر انسانی فطرت، اس کی پیچیدگیوں، غریبوں، سرتوں، ناآلودگیوں اور نارمانوں کے بے نام جزیروں سے گزرتے ہوئے موموں ہوتے ہیں میر کا ہلادو ناسب ہمیں ہم وقت سے لگتی رہتا ہے اور حیرت زدہ بھی ہے، ہمیں باہمالیہ غلط بھی ہوتے ہیں اور ایک نامعلوم ہی تو تانی بھی اپنے اندر محسوس کرتے ہیں۔ پروگرام کی اختتام کے فرائض محمود ملک نے سخن فونٹی انجام دیے۔ اس موقع پر جن اردو میں اوپن مائیک تخلیق میں اپنی افکار و خیالات پیش کرنے والے سخن کاروں کو سرٹیفکیٹ بھی دیے گئے۔ پروگرام کے آخر میں ڈاکٹر نصرت حمیدی نے قلم کار کا دعا پڑھا اور دعا کی۔

پروگرام کے انعقاد کے لیے دلی مبارکباد پیش کرتا ہوں۔ ڈاکٹر ماہدی نے میر کی سوانح "ذکر میر" کے حوالے سے کہا کہ میر تقی میر کی ابتدائی زندگی کے اثرات ان کی شاعری میں عیاں نمایاں رہے۔ وہ چونکہ سوئی منٹس باپ بننے سے پھر زندگی کے بڑا رنگ انھوں نے دیکھے، وہ ماسے رنگ میر کے یہاں کسی کسی گے پر موجود ہیں میر کی عمت کا امتزاج خود ان کے عہد میں ان کے ہم عصروں نے بھی کیا ہے۔ اس سلسلے میں انھوں نے خود کا حوالہ دیا کہ خود انھی ان کے عمت کے قائل تھے انھوں نے ڈاکٹر نصرت حمیدی کے میر کے اشعار میں لعلی کے مکتعلق

بڑوں کو دیکھ کر چھوٹے بچوں نے بھی روزہ رکھا

الحیات نیوز سروس

بارہ بچی: رمضان المبارک کا مہینہ ایک بہترین برکت والا مہینہ ہونے کے ساتھ ساتھ صبر اور شکر کا مہینہ ہے۔ اس ماہ میں اللہ کے محبوب بندے اللہ کی رضا کے واسطے جھوک پیاس برداشت کرنے کے ساتھ خوب ذکر اذکار کرتے ہیں اور اللہ سے بہت محبت اور رنجش کی آگ سے خلاصی جنت کی طلب کے ساتھ ملک کی سلامتی خیر

نیٹ سروس بحال، فورس کی بھاری تعیناتی سے بازار میں رونق بحال

اہل مدینہ جمعہ کے دن سہرام کے بھی مسجدوں کے پاس پولیس فورس کی بھاری تعیناتی کی گئی جو نماز کا آغاز پر امن ماحول میں اختتام ہوا۔ پچھلے تین دنوں سے کسی قسم کی اطلاع نہیں ہے زندگی معمول پر لوٹنے لگی ہے سہرام شہر کے ہر موڑ پر ایسی ہی پولیس تعیناتی ہے پولیس کثرت میں آئی ہے مسلح انتقامی سماج دشمن عناصر نظر بناتے ہوئے سے تھوکر کرنے والوں کی گرفتاری جاری ہے مسلح انتقامی

ایم پی اردو اکادمی کے ذریعے میر تقی میر کی حیات و خدمات پر سیمینار منعقد

خدائے سخن میر ایک ایسا شاعر ہے جس کی عظمت کا اعتراف ہر شاعر نے اور ہر صاحب علم نے کیا ہے

ڈاکٹر تقی عابدی نے اپنے خطبہ کی شروعات میں کہا کہ میں سب سے پہلے تو مدھیہ پردیش اردو اکادمی کو اس اہم پروگرام کے انعقاد کے لیے دلی مبارکباد پیش کرتا ہوں۔ ڈاکٹر عابدی نے میر کی سوانح "ذکر میر" کے حوالے سے کہا کہ میر تقی میر کی ابتدائی زندگی کے اثرات ان کی شاعری ہمیشہ نمایاں رہے۔



وہ چونکہ صوفی منش باپ بیٹے تھے پھر زندگی کے ہزار رنگ انہوں نے دیکھے، وہ سارے رنگ میر کے یہاں کسی نہ کسی سطح پر موجود ہیں۔ میر کی عظمت کا اعتراف خود ان کے عہد میں ان کے ہم عصروں نے بھی کیا ہے۔ اس سلسلے میں انہوں نے سودا کا حوالہ دیا کہ سودا بھی ان کے عظمت کے قائل تھے۔

بھی جان سکے گی کہ اس شاعر کی عظمت کس وجہ سے ہے۔ اسی لیے میر کی حیات و خدمات پر آج کے اس سیمینار کا انعقاد کیا گیا ہے جس میں معروف دانشور اور ادیب ڈاکٹر تقی عابدی، کینیڈا، ضیا فاروقی، بھوپال اور عزیز عرفان، اندور خدائے سخن میر پر اپنے خیالات کا اظہار کر رہے ہیں۔ پروگرام کی صدارت کر رہے ممتاز دانشور اور ادیب

پروگرام بھی اسی سلسلے کی اہم کڑی ہے اور یہ پروگرام میر تقی میر کو موسوم ہے۔ اس پروگرام میں نئے تخلیق کار خصوصاً ریسرچ اسکالرز اور طلباء جان سکیں گے کہ اردو شاعری میں میر تقی میر کو "خدائے سخن" کیوں کہا جاتا ہے۔ میر کا مصرعہ مستند ہے میرا فرمایا ہوا پر مبنی متذکرہ پروگرام میں نوجوان نسل اردو کے اس شاعر کی حصہ داری کو جان سکے گی اور یہ

بھوپال، مدھیہ پردیش اردو اکادمی محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام سلسلہ کے تحت سہ صد سالہ جشن میر کے موقع پر "مستند ہے میرا فرمایا ہوا" عنوان پر مبنی سیمینار بتاریخ 8 اپریل 2023 کو دوپہر 2 بجیا سٹیٹ میڈیم آڈیٹوریم، شیالہ پلس، بھوپال میں منعقد کیا گیا جس میں ملک و بیرون ملک کے ممتاز دانشوروں نے شرکت کی۔ اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کی شروعات میں مہمانان کا استقبال کرنے کے بعد پروگرام کے اغراض و مقاصد پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا: جیسا کہ ہم بھی جانتے ہیں کہ اس وقت دنیا بھر میں اردو کے عظیم شاعر میر تقی میر کا سہ صد سالہ جشن منایا جا رہا ہے۔ مدھیہ پردیش اردو اکادمی کا آج کا یہ

ضرورت مند بچوں کی عید کی تیاریوں میں لگی جمعیۃ کی ٹیم نے کپڑے

نے جی آئی کا جھنڈا لہرایا

خدائے سخن میر تقی میر کی شاعرانہ عظمت کا اعتراف ہر شاعر و ہر صاحبِ علم نے کیا ہے

انجمنی اربوہ اکادمی کے زیرِ اہتمام میر تقی میر کی حیات و خدمات پر سیمینار میں مقررین کا اظہارِ عقید



میر تقی میر کی شاعرانہ عظمت کا اعتراف ہر شاعر و ہر صاحبِ علم نے کیا ہے۔ انجمنی اربوہ اکادمی کے زیرِ اہتمام میر تقی میر کی حیات و خدمات پر سیمینار میں مقررین کا اظہارِ عقیدہ۔

انجمنی اربوہ اکادمی کے زیرِ اہتمام میر تقی میر کی حیات و خدمات پر سیمینار میں مقررین کا اظہارِ عقیدہ۔

میر تقی میر کی شاعرانہ عظمت کا اعتراف ہر شاعر و ہر صاحبِ علم نے کیا ہے۔ انجمنی اربوہ اکادمی کے زیرِ اہتمام میر تقی میر کی حیات و خدمات پر سیمینار میں مقررین کا اظہارِ عقیدہ۔

میر تقی میر کی شاعرانہ عظمت کا اعتراف ہر شاعر و ہر صاحبِ علم نے کیا ہے۔ انجمنی اربوہ اکادمی کے زیرِ اہتمام میر تقی میر کی حیات و خدمات پر سیمینار میں مقررین کا اظہارِ عقیدہ۔

میر تقی میر کی شاعرانہ عظمت کا اعتراف ہر شاعر و ہر صاحبِ علم نے کیا ہے۔ انجمنی اربوہ اکادمی کے زیرِ اہتمام میر تقی میر کی حیات و خدمات پر سیمینار میں مقررین کا اظہارِ عقیدہ۔

خدائے سخن میر ایک ایسا شاعر ہے جس کی عظمت کا اعتراف ہر شاعر نے اور ہر صاحب علم نے کیا ہے

ایم بی اردو اکادمی کے ذریعے میر تقی میر کی حیات و خدمات پر سیمینار منعقد



بھوپال ۱۹ اپریل (پریس ریلیز) مدھیہ پردیش اردو اکادمی محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام سلسلہ کے تحت سہ صد سالہ جشن میر کے موقع پر ”مستند ہے میرا فرمایا ہوا“ عنوان پر مبنی سیمینار بتاریخ 8 اپریل 2023 کو دو پہر 2 بجائے میٹ میوزیم آڈیٹوریم، شیاملہ پلس، بھوپال میں منعقد کیا گیا جس میں ملک و بیرون ملک کے ممتاز دانشوروں نے شرکت کی۔ اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کی شروعات میں مہمانان کا استقبال کرنے کے بعد پروگرام کے اغراض و مقاصد پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا: جیسا کہ ہم کبھی جانتے ہیں کہ اس وقت دنیا بھر میں اردو کے عظیم شاعر میر تقی میر کا سہ

صد سالہ جشن منایا جا رہا ہے۔ مدھیہ پردیش اردو اکادمی کا آج کا یہ پروگرام بھی اسی سلسلے کی اہم کڑی ہے اور یہ پروگرام میر تقی میر کو موسوم ہے۔ اس پروگرام میں نئے تخلیق کار خصوصاً ریسرچ اسکالرز اور طلباء یہ جان سکیں گے کہ اردو شاعری میں میر تقی میر کو ”خدائے سخن“ کیوں کہا جاتا ہے۔ میر کا مصرعہ مستند ہے میرا فرمایا ہوا پر مبنی متذکرہ پروگرام میں نوجوان نسل اردو کے اس شاعر کی حصہ داری کو جان سکے گی اور یہ بھی جان سکے گی کہ اس شاعر کی عظمت کس وجہ سے ہے۔ اسی لیے میر کی حیات و خدمات پر آج کے اس سیمینار کا انعقاد کیا گیا ہے جس میں معروف دانشور اور ادیب ڈاکٹر تقی عابدی، کینیڈا، ضیا فاروقی، بھوپال اور عزیز عرفان۔ اندور خدائے سخن میر پر اپنے خیالات کا اظہار کر رہے ہیں۔ پروگرام کی صدارت کر رہے ممتاز

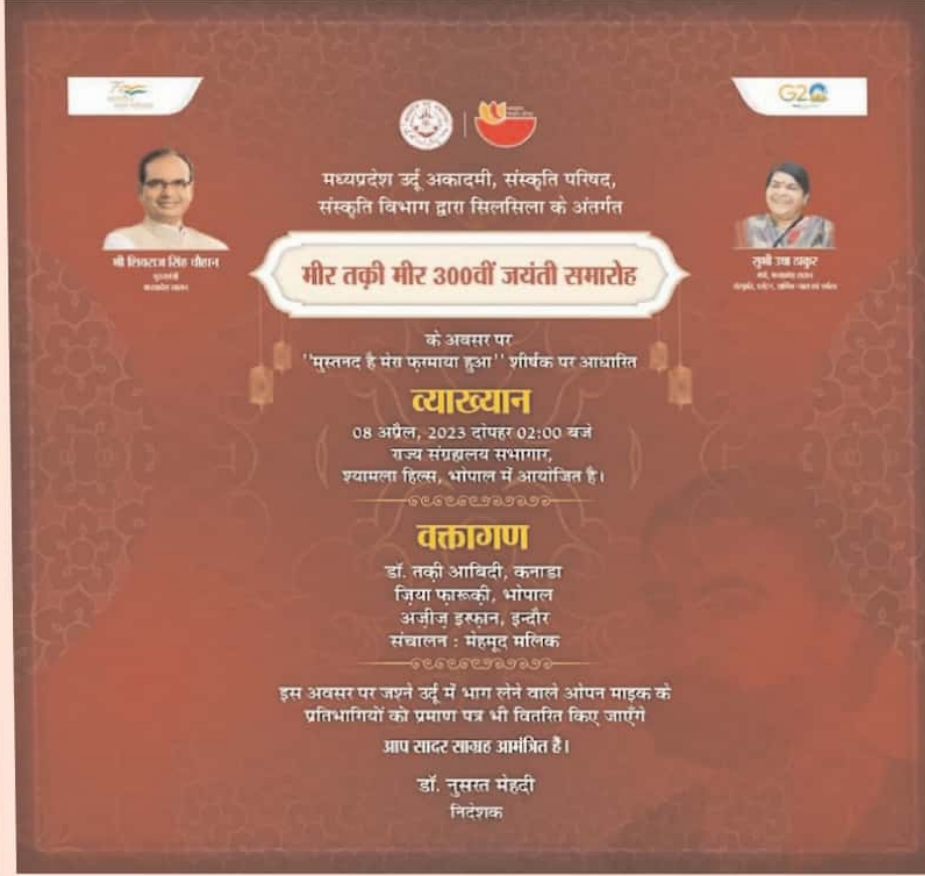
دانشور اور ادیب ڈاکٹر تقی عابدی نے اپنے خطبہ کی شروعات میں کہا کہ میں سب سے پہلے تو مدھیہ پردیش اردو اکادمی کو اس اہم پروگرام کے انعقاد کے لیے دلی مبارک باد پیش کرتا ہوں۔ ڈاکٹر عابدی نے میر کی ترقی میر کی ابتدائی زندگی کے اثرات ان کی شاعری ہمیشہ نمایاں رہے۔ وہ چونکہ صوفی منش باپ بیٹے تھے پھر زندگی کے ہزار رنگ انھوں نے دیکھے، وہ سارے رنگ میر کے یہاں کسی نہ کسی سطح پر موجود ہیں۔ میر کی عظمت کا اعتراف خود ان کے عہد میں ان کے ہم عصروں نے بھی کیا ہے۔ اس سلسلے میں انھوں نے سودا کا حوالہ دیا کہ سودا بھی ان کے عظمت کے قائل تھے۔ انھوں نے ڈاکٹر نصرت مہدی کے میر کے اشعار میں تعلق کے متعلق سوال کا جواب دیتے ہوئے کہا کہ میر کے یہاں جو تعلق

کے اشعار ہیں ان کے اندر بھی معنی کی تہہ داری اور خود اعتمادی ہے۔ ڈاکٹر تقی عابدی نے درج ذیل شعر کے سلسلے میں کافی تفصیل سے گفتگو کی۔

ناز کی اس کی لب کی کیا کہیے
پگھڑی اک گلاب کی سی ہے

بھوپال کے بزرگ ادیب اور شاعر ضیا فاروقی نے میر کی شاعرانہ عظمت پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ میر کے شعروں میں زندگی کا ہر رنگ موجود ہے۔ کہیں غم زمانہ کے رنگ ہیں اور کہیں غم جانان کے۔ ان کے شعر لاکھ خواص پسند ہوں ان کی گفتگو بہر حال عوام سے عملاً بھی رہی ہے۔ چنانچہ عوام کی دلچسپی کے لیے انھوں نے ان موضوعات کو بھی شعری قالب میں ڈھالا ہے جن سے عام عوام کے جذبات و احساسات کی ترجمانی ہو سکے۔ اندور سے تشریف لائے سینئر ادیب ڈاکٹر عزیز

मीर तक़ी मीर पर व्याख्यान 8 अप्रैल को राज्य संग्रहालय में



मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद,
संस्कृति विभाग द्वारा सिलसिला के अंतर्गत

मीर तक्की मीर 300वीं जयंती समारोह

के अवसर पर
'मुस्तनद है मेरा फ़रमाया हुआ' शीर्षक पर आधारित
व्याख्यान
08 अप्रैल, 2023 दोपहर 02:00 बजे
राज्य संग्रहालय सभागार,
श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित है।

वक्तागण
डॉ. तक्की आबिदी, कनाडा
जिया फारूकी, भोपाल
अजीज़ इस्फ़ान, इन्दौर
संचालन : मेहमूद मलिक

इस अवसर पर जश्ने उर्दू में भाग लेने वाले ओपन माइक के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए जाएंगे
आप सादर स्वागत आमंत्रित है।
डॉ. नुसरत मेहदी
निदेशक

भोपाल 06 अप्रैल (प्रेस नोट)। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा मीर तक़ी मीर 300वीं जयंती समारोह के अवसर पर सिलसिला के अंतर्गत मुस्तनद है मेरा फ़रमाया हुआ शीर्षक पर आधारित व्याख्यान 8 अप्रैल, 2023 दोपहर 02:00 बजे राज्य संग्रहालय सभागार, श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित किया जाएगा। उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कि दुनिया भर में उर्दू के सुविख्यात शायर मीर तक़ी मीर की 300वीं जयंती समारोह के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी सिलसिले के तहत मध्य प्रदेश उर्दू भी उनका जश्न मना रही है ताकि युवा पीढ़ी उर्दू के इस महान शायर को जान सके। इस हेतु मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा 8 अप्रैल को मीर पर व्याख्यान आयोजित है जिसमें उर्दू के प्रसिद्ध विद्वान एवं साहित्यकार डॉ. तक्की आबिदी, कनाडा, जिया फारूकी भोपाल एवं डॉ. अजीज़ इस्फ़ान, इन्दौर, खुदाए सुखन मीर तक़ी मीर पर वक्तव्य पेश करेंगे। कार्यक्रम का संचालन मेहमूद मलिक द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर जश्ने उर्दू में भाग लेने वाले ओपन माइक के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए जाएंगे। सेमिनार में भाग लेने वाले प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। डॉ. नुसरत मेहदी ने सभी साहित्य प्रेमियों से कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया है।



Image

Text

राज्य संग्रहालय में मीर तकी मीर पर व्याख्यान 8 को

रिपोर्टर • **IamBhopal**

Mobile no. 8989210501

मप्र उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग की ओर से मीर तकी मीर के 300वीं जयंती समारोह के अवसर पर सिलसिला के तहत 'मुस्तनद है मेरा फरमाया हुआ' शीर्षक पर व्याख्यान 8 अप्रैल को आयोजित होगा। कार्यक्रम दोपहर 2 बजे से राज्य संग्रहालय सभागार में होगा। उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने बताया कि इसमें उर्दू के

प्रसिद्ध विद्वान और साहित्यकार डॉ. तकी आबिदी(कनाडा), जिया फारूकी भोपाल और डॉ. अजीज इरफान, खुदाए सुखन मीर तकी मीर पर वक्तव्य पेश करेंगे। संचालन मेहमूद मलिक करेंगे। इस अवसर पर जश्ने उर्दू में भाग लेने वाले ओपन माइक के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए जाएंगे। सेमिनार में भाग लेने वाले प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। इस मौके पर कोई भी शहरवासी यह व्याख्यान सुनने आ सकता है।

राज्य संग्रहालय में 'मीर तकी मीर' पर व्याख्यान 8 अप्रैल को

जासि। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा मीर तकी मीर 300वीं जयंती समारोह के अवसर पर सिलसिला के अंतर्गत 'मुस्तनद है मेरा फ़रमाया हुआ' शीर्षक पर आधारित व्याख्यान 8 अप्रैल को दोपहर दो बजे राज्य संग्रहालय सभागार में आयोजित किया जाएगा। उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने बताया कि दुनिया भर में उर्दू के सुविख्यात शायर मीर तकी मीर की 300वीं जयंती समारोह के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी सिलसिले के तहत मध्य प्रदेश उर्दू भी उनका जश्न

मना रही है ताकि युवा पीढ़ी उर्दू के इस महान शायर को जान सके। इस आयोजन के अंतर्गत उर्दू के प्रसिद्ध विद्वान एवं साहित्यकार डॉ. तकी आबिदी कनाडा, ज़िया फारूकी भोपाल एवं डॉ. अज़ीज़ इरफ़ान इन्दौर, खुदाए सुखन मीर तकी मीर पर वक्तव्य पेश करेंगे। कार्यक्रम का संचालन मेहमूद मलिक द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर जश्ने उर्दू में भाग लेने वाले ओपन माइक के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए जाएंगे। सेमिनार में भाग लेने वाले प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

ایم پی اردو اکادمی کے ذریعے سہ صد سالہ جشن میر کے تحت سیمینار 8 اپریل کو بھوپال میں

سہ صد سالہ جشن میر

سیمینار

8 اپریل 2023 کو دوپہر 2 بجے

بھوپال میں منعقد کیا جائے گا۔

مقررین

ڈاکٹر اکتھر نصرت مہدی، بھوپال

ڈاکٹر فیروز عارف، بھوپال

ڈاکٹر عزیز عرفان، بھوپال

ڈاکٹر خیاں فاروقی، بھوپال

ڈاکٹر عابدی، کینڈا، خیاں فاروقی، بھوپال اور عزیز عرفان۔ اندور خدائے سخن میر پر اپنے خیالات کا اظہار کریں گے۔ اس موقع پر جشن اردو میں حصہ لینے والے اوپن مائیک کے شرکاء کو شوقیلیٹ تقسیم کیے جائیں گے۔ ساتھ ہی سیمینار میں شرکت کرنے والے پروفیسروں، ریسرچ اسکالروں اور طلباء کو شوقیلیٹ دیے جائیں گے۔ پروگرام کی نظامت کے فرائض محمود ملک انجام دیں گے۔ ڈاکٹر نصرت مہدی بھوپال کے تمام مجاہدان ادب سے پروگرام میں شرکت کی درخواست کی ہے۔

بھوپال: مدھیہ پردیش اردو اکادمی محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام سلسلہ کے تحت سہ صد سالہ جشن میر کے موقع پر ”مستند ہے میرا فرمایا ہوا“ عنوان پر مبنی سیمینار بتاریخ 8 اپریل 2023 کو دوپہر 2 بجے بھوپال میں منعقد کیا جائے گا۔ اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کے بارے میں بتاتے ہوئے کہا، جیسا کہ آپ سبھی جانتے ہیں کہ اس وقت دنیا بھر میں اردو کے عظیم شاعر میر تقی میر کا سہ صد سالہ جشن منایا جا رہا ہے۔ مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی ہمیشہ یہ کوشش رہی ہے کہ اردو کے عظیم شعرا کو یاد کرتے ہوئے ان پر پروگرام منعقد کرے تاکہ نئی نسل بھی ان شعرا کے کارناموں سے واقف ہو۔ اسی سلسلے کے تحت 8 اپریل کو اسٹیٹ میوزیم میں میر تقی میر پر سیمینار کا

انعقاد کیا جا رہا ہے جس میں اردو کے معروف دانشور اور ادیب ڈاکٹر تقی عابدی، کینڈا، خیاں فاروقی، بھوپال اور عزیز عرفان۔ اندور خدائے سخن میر پر اپنے خیالات کا اظہار کریں گے۔ اس موقع پر جشن اردو میں حصہ لینے والے اوپن مائیک کے شرکاء کو شوقیلیٹ تقسیم

کیے جائیں گے۔ ساتھ ہی سیمینار میں شرکت کرنے والے پروفیسروں، ریسرچ اسکالروں اور طلباء کو شوقیلیٹ دیے جائیں گے۔ پروگرام کی نظامت کے فرائض محمود ملک انجام دیں گے۔ ڈاکٹر نصرت مہدی بھوپال کے تمام مجاہدان ادب سے پروگرام میں شرکت کی درخواست کی ہے۔

”ایم پی اردو اکادمی کے ذریعے صد سالہ جشن

میر کے تحت سیمینار 18 اپریل کو بھوپال میں”

الحیات نیوز سروس

بھوپال: مدھیہ پردیش اردو اکادمی محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام سلسلہ کے تحت صد سالہ جشن میر کے موقع پر ”مستند ہے میرا فرمایا ہوا“ عنوان پر مہینی سیمینار بتاریخ 8 اپریل 2023 کو دوپہر 2 بجے اسٹیٹ میوزیم آڈیٹوریم، شیاملہ بس، بھوپال میں منعقد کیا جائے گا۔ اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کے بارے میں بتاتے ہوئے کہا، جیسا کہ آپ سبھی جانتے ہیں کہ اس وقت دنیا بھر میں اردو کے عظیم شاعر میر تقی میر کا صد سالہ جشن منایا جا رہا ہے۔ مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی ہمیشہ یہ کوشش رہی ہے کہ اردو کے عظیم شعرا کو یاد کرتے ہوئے ان پر پروگرام منعقد کرے تاکہ نئی نسل بھی ان شعرا کے کارناموں سے واقف ہو۔ اسی سلسلے کے تحت 18 اپریل کو اسٹیٹ میوزیم میں میر تقی میر پر سیمینار کا انعقاد کیا جا رہا ہے جس میں اردو کے معروف دانشور اور ادیب ڈاکٹر تقی عابدی، کینیڈا، ضیا فاروقی، بھوپال اور عزیز عرفان، اندور خدائے سخن میر پر اپنے خیالات کا اظہار کریں گے۔ اس موقع پر جشن اردو میں حصہ لینے والے اوپن مائیک کے شرکاء کو سرٹیفکیٹ تقسیم کیے جائیں گے۔ ساتھ ہی سیمینار میں شرکت کرنے والے پروفیسروں، ریسرچ اسکالروں اور طلباء کو سرٹیفکیٹ دیے جائیں گے۔ پروگرام کی نظامت کے فرائض محمود ملک انجام دیں گے۔ ڈاکٹر نصرت مہدی بھوپال کے تمام محبان ادب سے پروگرام میں شرکت کی درخواست کی ہے۔

آرڈو اکیڈمی کا جشن میراج

میراج کی یاد میں ہونے والے آرڈو اکیڈمی کے جشن میراج پر وزیراعلیٰ نے خصوصی تقریب منعقد کی۔ تقریب میں وزیراعلیٰ نے آرڈو اکیڈمی کے کارکنوں کو مبارکباد دی اور ان کے کاموں کو مزید ترقی دینے کی ہدایت کی۔ ان کے ساتھ ساتھ آرڈو اکیڈمی کے کارکنوں کو بھی مبارکباد دی اور ان کے کاموں کو مزید ترقی دینے کی ہدایت کی۔

2023 کو آرڈو اکیڈمی کے کارکنوں کو مبارکباد دی اور ان کے کاموں کو مزید ترقی دینے کی ہدایت کی۔ ان کے ساتھ ساتھ آرڈو اکیڈمی کے کارکنوں کو بھی مبارکباد دی اور ان کے کاموں کو مزید ترقی دینے کی ہدایت کی۔

آرڈو اکیڈمی کے کارکنوں کو مبارکباد دی اور ان کے کاموں کو مزید ترقی دینے کی ہدایت کی۔ ان کے ساتھ ساتھ آرڈو اکیڈمی کے کارکنوں کو بھی مبارکباد دی اور ان کے کاموں کو مزید ترقی دینے کی ہدایت کی۔

میراج کی یاد میں ہونے والے آرڈو اکیڈمی کے جشن میراج پر وزیراعلیٰ نے خصوصی تقریب منعقد کی۔ تقریب میں وزیراعلیٰ نے آرڈو اکیڈمی کے کارکنوں کو مبارکباد دی اور ان کے کاموں کو مزید ترقی دینے کی ہدایت کی۔ ان کے ساتھ ساتھ آرڈو اکیڈمی کے کارکنوں کو بھی مبارکباد دی اور ان کے کاموں کو مزید ترقی دینے کی ہدایت کی۔

وزیر اعلیٰ شیوراج سنگھ چوہان نے شیلا پھاڑیوں پر واقع باغ میں پیپل، امرود، گل موہر اور جامن کے پودھے لگائے

”ایم پی اردو اکادمی کے ذریعے صد سالہ جشن میر کے تحت سیمینار 8 اپریل کو اسٹیٹ میوزیم میں“

بھوپال 7 اپریل (پریس ریلیز) مدھیہ پردیش اردو اکادمی محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام سلسلہ کے تحت صد سالہ جشن میر کے موقع پر ”مستند ہے میرا فرمایا ہوا“ عنوان پر مبنی سیمینار بتاریخ 8 اپریل 2023 کو دو پہر 2 بجیا اسٹیٹ میوزیم آڈیٹوریم، شیلامہ پلس، بھوپال میں منعقد کیا جائے گا۔

اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کے بارے میں بتاتے ہوئے کہا، جیسا کہ آپ سبھی جانتے ہیں کہ اس وقت دنیا بھر میں اردو کے عظیم شاعر میر تقی میر کا صد سالہ جشن منایا جا رہا ہے۔ مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی ہمیشہ یہ کوشش رہی ہے کہ اردو کے عظیم شعرا کو یاد کرتے ہوئے ان پر پروگرام منعقد کرے تاکہ نئی نسل بھی ان شعرا کے کارناموں سے واقف ہو۔ اسی سلسلے کے تحت 8 اپریل کو اسٹیٹ میوزیم میں میر تقی میر پر سیمینار کا انعقاد کیا جا رہا ہے جس میں اردو کے معروف دانشور اور ادیب ڈاکٹر تقی عابدی۔

اردو اکادمی، مدھیہ پردیش
100th Anniversary

صد سالہ جشن میر
مستند ہے میرا فرمایا ہوا

8 اپریل 2023 کو دو پہر 2 بجے
اسٹیٹ میوزیم آڈیٹوریم، شیلامہ پلس، بھوپال میں منعقد

مقررین
ڈاکٹر تقی عابدی، کینیڈا
ضیا فاروقی، بھوپال، عرفان عرفان۔ اندور
نظامت محمود ملک، بھوپال

اس موقع پر جشن اردو میں
حصہ لینے والے اور پن مانگ کے شرکا اور شریکیت تقسیم کیے جائیں گے۔
آپ کی مدد و تعاون سے
ڈاکٹر نصرت مہدی
ڈائریکٹر

کینیڈا، ضیا فاروقی۔ بھوپال اور عزیز عرفان۔ اندور خدائے سخن میر پر اپنے خیالات کا اظہار کریں گے۔ اس موقع پر جشن اردو میں حصہ لینے والے اور پن مانگ کے شرکاء کو شریکیت تقسیم کیے جائیں گے۔ ساتھ ہی سیمینار میں شرکت کرنے والے پروفیسروں، ریسرچ اسکالروں اور طلباء کو شریکیت دیے جائیں گے۔ پروگرام کی نظامت کے فرائض محمود ملک انجام دیں گے۔ ڈاکٹر نصرت مہدی بھوپال کے تمام محبان ادب سے پروگرام میں شرکت کی درخواست کی ہے۔

اُردو اکیڈمی کا جشن میر 18 اپریل کو بھوپال میں

ڈاکٹر تقی عابدی، ضیاء فاروقی اور عزیز عرفان مقرر ہوں گے

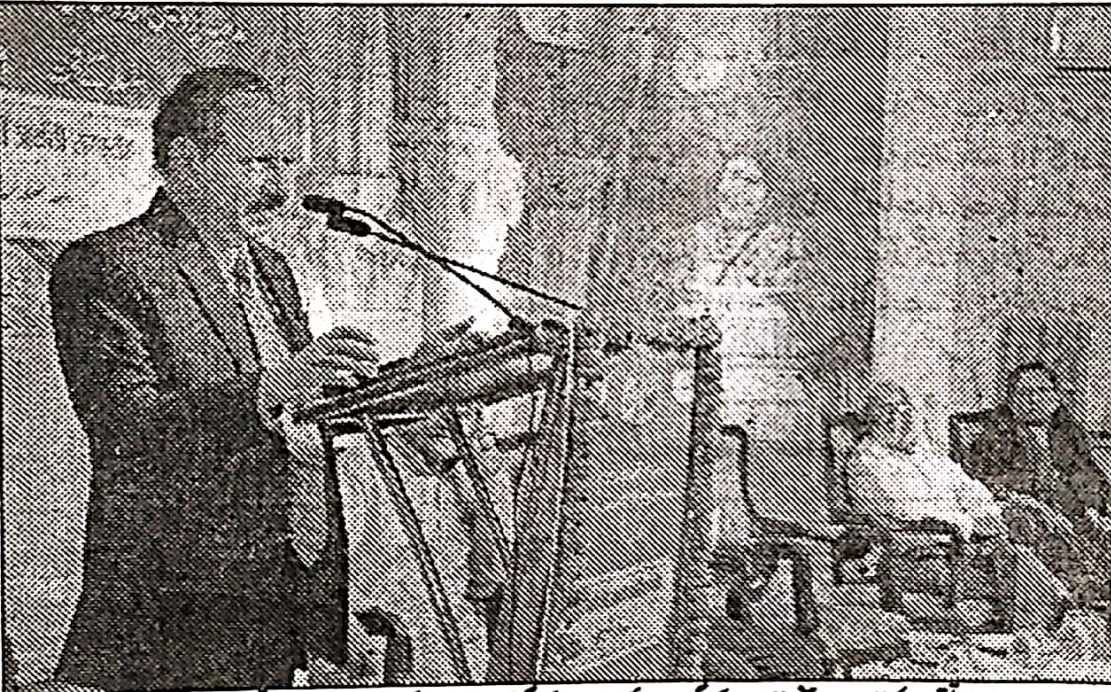
اسٹیٹ میوزیم شیلہ ہلس بھوپال میں دوپہر دو بجے سے منعقد ہوگا۔ اس اہم ادبی تقریب میں ڈاکٹر تقی عابدی کینیڈا، ضیاء فاروقی بھوپال اور عزیز عرفان اندور اظہار خیال فرمائیں گے جبکہ محمود ملک بھوپال نظامت کے فرائض انجام دیں گے۔ اس موقع پر جشن اُردو میں حصہ لینے والے ادیبان ملک کے شرکاء کو سرٹیفکیٹ سے نوازا جائے گا۔

بھوپال، 4 اپریل (رپورٹر) مدھیہ پردیش اُردو اکیڈمی برائے سسکرتی پریشد محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام آئندہ آٹھ اپریل کو اُردو اور فارسی کے شہرہ آفاق شاعر خدائے سخن میر تقی میر کی یاد میں سہ صد سالہ جشن میر کا انعقاد کیا جا رہا ہے۔

اُردو اکیڈمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی صاحبہ نے بتایا کہ جشن میر کا انعقاد 18 اپریل 2023 کو بمقام

خدائے سخن میر تقی میر کی شاعرانہ عظمت کا اعتراف ہر شاعر و ہر صاحب علم نے کیا ہے

ایم پی اردو اکادمی کے زیر اہتمام میر تقی میر کی حیات و خدمات پر سیمینار میں مقررین کا اظہار خیال



بھوپال، 8 اپریل: مدھیہ پردیش اردو اکادمی نکلے ثقافت کے زیر اہتمام سلسلہ کے تحت سہ صد سالہ جشن میر کے موقع پر مستند ہے میرا فرمایا ہوا عنوان پر مبنی سیمینار آج بروز سنچر دو پہر 2 بجے اسٹیٹ میوزیم آڈیٹوریم، شیلڈ ہلس، بھوپال میں منعقد کیا گیا جس میں ملک و بیرون ملک کے ممتاز دانشوروں نے شرکت کی۔

اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کی شروعات میں مہمانان کا استقبال کرنے کے بعد پروگرام کے اغراض و مقاصد پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا: جیسا کہ ہم سبھی جانتے ہیں کہ اس وقت دنیا بھر میں اردو کے عظیم شاعر میر تقی میر کا سہ صد سالہ جشن منایا جا رہا ہے۔ مدھیہ پردیش اردو اکادمی کا آج کا یہ پروگرام بھی اسی سلسلے کی اہم کڑی ہے اور یہ پروگرام میر تقی میر کو موسوم ہے۔ اس پروگرام میں نئے تخلیقی کار خصوصاً ری سرچ اسکالرز اور طلباء یہ جان سکیں گے کہ

اردو شاعری میں میر تقی میر کو "خدائے سخن" کیوں کہا جاتا ہے۔ میر کا، معرود مستند ہے میرا فرمایا ہوا، پر مبنی حذکرہ پروگرام میں نوجوان نسل اردو کے اس شاعر کی حصداری کو جان سکے کی اور یہ بھی جان سکے کی کہ اس شاعر کی عظمت کس وجہ سے ہے۔ اسی لیے میر کی حیات و خدمات پر آج کے اس سیمینار کا انعقاد کیا گیا ہے جس میں معروف دانشور اور ادیب ڈاکٹر تقی مابدی۔ کینیڈا، ضیا قاروتی۔ بھوپال اور عزیز عرفان۔ امدور خدائے سخن میر پر اپنے خیالات کا اظہار کر رہے ہیں۔ (باقی صفحہ 7 پر)

ایم پی اردو اکادمی کے ذریعے میر تقی میر کی حیات و خدمات پر سیمینار منعقد

خدائے سخن میر ایک ایسا شاعر ہے جس کی عظمت کا اعتراف ہر شاعر نے اور ہر صاحب علم نے کیا ہے



بھوپال: مدھیہ پردیش اردو اکادمی محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام سلسلہ کے تحت سہ صد سالہ جشن میر کے موقع پر ”مستند ہے میرا فرمایا ہوا“ عنوان پر مئی سیمینار بتاریخ 8 اپریل 2023 کو دوپہر 2 بجائیں میوزیم آڈیٹوریم، شیلڈ ہل، بھوپال میں منعقد کیا گیا جس میں ملک و بیرون ملک کے ممتاز دانشوروں نے شرکت کی۔ اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کی شروعات میں مہمانان کا استقبال کرنے کے بعد پروگرام کے اغراض و مقاصد پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا: جیسا کہ ہم سبھی جانتے ہیں کہ اس وقت دنیا بھر میں اردو کے عظیم شاعر میر تقی میر کا سہ صد سالہ جشن منایا جا رہا ہے۔ مدھیہ پردیش اردو اکادمی کا آج کا یہ

پروگرام بھی اسی سلسلے کی اہم کڑی ہے اور یہ پروگرام میر تقی میر کو موسوم ہے۔ اس پروگرام میں نئے تخلیق کار خصوصاً ریسرچ اسکالرز اور طلباء جان سیکھ گئے کہ اردو شاعری میں میر تقی میر کو ”خدائے سخن“ کیوں کہا جاتا ہے۔ میر کا مصرعہ مستند ہے میرا فرمایا ہوا پر مبنی متذکرہ پروگرام میں نوجوان نسل اردو کے اس شاعر کی حصہ داری کو جان سکے گی اور یہ

بھی جان سکے گی کہ اس شاعر کی عظمت کس وجہ سے ہے۔ اسی لیے میر کی حیات و خدمات پر آج کے اس سیمینار کا انعقاد کیا گیا ہے جس میں معروف دانشور اور ادیب ڈاکٹر تقی عابدی، کینیڈا، ضیا فاروقی، بھوپال اور عزیز عرفان، اندوز خدائے سخن میر پر اپنے خیالات کا اظہار کر رہے ہیں۔ پروگرام کی صدارت کر رہے ممتاز دانشور اور ادیب

ڈاکٹر تقی عابدی نے اپنے خطبہ کی شروعات میں کہا کہ میں سب سے پہلے تو مدھیہ پردیش اردو اکادمی کو اس اہم پروگرام کے انعقاد کے لیے دلی مبارکباد پیش کرتا ہوں۔ ڈاکٹر عابدی نے میر کی سوانح ”ذکر میر“ کے حوالے سے کہا کہ میر تقی میر کی ابتدائی زندگی کے اثرات ان کی شاعری ہمیشہ نمایاں رہے۔

وہ چونکہ صوفی منش باپ بیٹے تھے پھر زندگی کے ہزار رنگ انھوں نے دیکھے، وہ سارے رنگ میر کے یہاں کسی نہ کسی سطح پر موجود ہیں۔ میر کی عظمت کا اعتراف خود ان کے عہد میں ان کے ہم عصروں نے بھی کیا ہے۔ اس سلسلے میں انھوں نے سودا کا حوالہ دیا کہ سودا بھی ان کی عظمت کے قائل تھے۔

भोपाल, शनिवार, 8 अप्रैल 2023

भास्कर

‘मुस्तनद है मेरा फरमाया हुआ’ मीर तकी मीर पर व्याख्यान आज

सिटी रिपोर्टर। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी की ओर से मीर तकी मीर की 300वीं जयंती समारोह के मौके पर ‘मुस्तनद है मेरा फरमाया हुआ’ विषय पर व्याख्यान शनिवार को राज्य संग्रहालय सभागार में आयोजित किया जाएगा। दोपहर 2 बजे से शुरू होने वाले व्याख्यान के बारे में उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेंहदी ने बताया कि युवा पीढ़ी उर्दू के इस महान शायर मीर तकी मीर से परिचित हो सके, यही सोचकर इसका आयोजन किया जा रहा है। इसमें कनाडा से उर्दू के प्रसिद्ध विद्वान एवं साहित्यकार डॉ. तकी आबिदी, भोपाल के जिया फारूकी और इंदौर के डॉ. अजीज इरफान खुदाए सुखन मीर तकी मीर पर बात करेंगे।

वस्त्रों के नामों का अर्थ

पीपुल्स समाचार

भोपाल, शनिवार 8 अप्रैल 2023

नगर में आज

- साहित्यकार संतोष चौबे की पुस्तक का विमोचन मिंटो हॉल में शाम 6 बजे।
- शहीद भवन में नाटक ययाति का मंचन शाम 7 बजे से।
- राज्य संग्रहालय में मीर तकी मीर पर चर्चा दोपहर 2 बजे से।

नवभारत

भोपाल, शनिवार, 8 अप्रैल, 2023

मीर तकी मीर पर व्याख्यान आज राज्य संग्रहालय में

भोपाल . मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा मीर तकी मीर 300वीं जयंती समारोह के अवसर पर सिलसिला के अंतर्गत मुस्तनद है मेरा फ़रमाया हुआ शीर्षक पर आधारित व्याख्यान 8 अप्रैल दोपहर 02 बजे राज्य संग्रहालय सभागार, श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित किया जाएगा . उल्लेखनीय है कि इस वर्ष विश्व स्तर पर उर्दू के सुविख्यात शायर मीर तकी मीर की 300वीं जयंती मनाई जा रही है . मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी की सिलसिला संगोष्ठी भी इस बार मीर तकी मीर को समर्पित है . संगोष्ठी में नए रचनाकार यह जान सकेंगे कि उर्दू शायरी में मीर को खुदा ए सुखन क्यों कहा जाता है . मीर की पंक्ति मुस्तनद है मेरा फ़रमाया हुआ पर आधारित उक्त कार्यक्रम में युवा पीढ़ी उर्दू के इस महान शायर के योगदान को जान सकेगी .

'मीर तकी मीर' पर आज व्याख्यान का आयोजन

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा मीर तकी मीर 300वीं जयंती समारोह के अवसर पर सिलसिला के अंतर्गत "मुस्तनद है मेरा फरमाया हुआ" शीर्षक पर आधारित व्याख्यान आठ अप्रैल को राज्य संग्रहालय सभागार, श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित किया जाएगा। उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने बताया कि, उर्दू अकादमी भी उनकी जयंती का जश्न मना रही है, ताकि युवा पीढ़ी उर्दू के इस महान शायर को जान सके। व्याख्यान में उर्दू के प्रसिद्ध विद्वान एवं साहित्यकार डा. तकी आबिदी, कनाडा, जिया फारूकी भोपाल एवं डा. अजीज इरफान, इंदौर, खुदाए सुखन मीर तकी मीर पर वक्तव्य पेश करेंगे। कार्यक्रम का संचालन मेहमूद मलिक द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर जश्ने उर्दू में भाग लेने वाले ओपन माइक के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए जाएंगे। सेमिनार में भाग लेने वाले प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

मीर तकी मीर पर व्याख्यान 8 अप्रैल को राज्य संग्रहालय में

उर्दू अकादमी, संस्कृति विभाग
संस्कृति विभाग द्वारा सिलसिला के अंतर्गत

मीर तकी मीर 300वीं जयंती समारोह

व्याख्यान

08 अप्रैल 2023 दोपहर 02:00 बजे
राज्य संग्रहालय, श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित है।

वक्तागण

डॉ. तकी आबिदी, कनाडा
संस्कृति विभाग, उर्दू
विभाग, संस्कृति विभाग

संस्कृति विभाग द्वारा उर्दू अकादमी के अंतर्गत आयोजित है।
संस्कृति विभाग, भोपाल में आयोजित है।

डॉ. तकी आबिदी
संस्कृति विभाग

भोपाल 06 अप्रैल (प्रेस नोट)। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा मीर तकी मीर 300वीं जयंती समारोह के अवसर पर सिलसिला के अंतर्गत मुस्तनद है मेरा फरमाया हुआ शीर्षक पर आधारित व्याख्यान 8 अप्रैल, 2023 दोपहर 02:00 बजे राज्य संग्रहालय सभागार, श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित किया जाएगा। उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कि दुनिया भर में उर्दू के सुविख्यात शायर मीर तकी मीर की 300वीं जयंती समारोह के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी सिलसिले के तहत मध्य प्रदेश उर्दू भी उनका जश्न मना रही है ताकि युवा पीढ़ी उर्दू के इस महान शायर को जान सके। इस हेतु मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा 8 अप्रैल को मीर पर व्याख्यान आयोजित है जिसमें उर्दू के प्रसिद्ध विद्वान एवं साहित्यकार डॉ. तकी आबिदी, कनाडा, डिया फारूकी भोपाल एवं डॉ. अ गी? इरफान, इन्दौर, खुदाए सुखन मीर तकी मीर पर वक्तव्य पेश करेंगे। कार्यक्रम का संचालन मेहमूद मलिक द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर जश्न उर्दू में भाग लेने वाले औपन माइक के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए जाएंगे। सेमिनार में भाग लेने वाले प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। डॉ. नुसरत मेहदी ने सभी साहित्य प्रेमियों से कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

दैनिक जागरण

भोपाल, 7 अप्रैल 2023

www.dj.mp.in/epaper

राज्य संग्रहालय में 'मीर तकी मीर' पर व्याख्यान 8 अप्रैल को

जासि। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा मीर तकी मीर 300वीं जयंती समारोह के अवसर पर सिलसिला के अंतर्गत 'मुस्तनद है मेरा फ़रमाया हुआ' शीर्षक पर आधारित व्याख्यान 8 अप्रैल को दोपहर दो बजे राज्य संग्रहालय सभागार में आयोजित किया जाएगा। उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने बताया कि दुनिया भर में उर्दू के सुविख्यात शायर मीर तकी मीर की 300वीं जयंती समारोह के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी सिलसिले के तहत मध्य प्रदेश उर्दू भी उनका जश्न

मना रही है ताकि युवा पीढ़ी उर्दू के इस महान शायर को जान सके। इस आयोजन के अंतर्गत उर्दू के प्रसिद्ध विद्वान एवं साहित्यकार डॉ. तकी आबिदी कनाडा, ज़िया फारूकी भोपाल एवं डॉ. अजीज इरफ़ान इन्दौर, खुदाए सुखन मीर तकी मीर पर वक्तव्य पेश करेंगे। कार्यक्रम का संचालन मेहमूद मलिक द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर जश्ने उर्दू में भाग लेने वाले ओपन माइक के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए जाएंगे। सेमिनार में भाग लेने वाले प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

ایم پی اردو اکادمی کے ذریعے سہ صد سالہ جشن میر کے تحت سیمینار 8 اپریل کو بھوپال میں

بھوپال: مدھیہ پردیش اردو اکادمی محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام سلسلہ کے تحت سہ صد سالہ جشن میر کے موقع پر ”مستند ہے میرا فرمایا ہوا“ عنوان پر مبنی سیمینار بتاریخ 8 اپریل 2023 کو دوپہر 2 بجیا سٹیٹ میوزیم آڈیٹوریم، شیلہ ہلس، بھوپال میں منعقد کیا جائے گا۔ اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کے بارے میں بتاتے ہوئے کہا، جیسا کہ آپ سبھی جانتے ہیں کہ اس وقت دنیا بھر میں اردو کے عظیم شاعر میر تقی میر کا سہ صد سالہ جشن منایا جا رہا ہے۔ مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی ہمیشہ یہ کوشش رہی ہے کہ اردو کے عظیم شعرا کو یاد کرتے ہوئے ان پر پروگرام منعقد کرے تاکہ نئی نسل بھی ان شعرا کے کارناموں سے واقف ہو۔ اسی سلسلے کے تحت 8 اپریل کو اسٹیٹ میوزیم میں میر تقی میر پر سیمینار کا

انعقاد کیا جا رہا ہے جس میں اردو کے معروف دانشور اور ادیب ڈاکٹر تقی عابدی، کینیڈا، ضیا فاروقی، بھوپال اور عزیز عرفان، اندور خدائے سخن میر پر اپنے خیالات کا اظہار کریں گے۔ اس موقع پر جشن اردو میں حصہ لینے والے اوپن مانگ کے شرکاء کو ٹیٹو فیکٹا تقسیم

کیے جائیں گے۔ ساتھ ہی سیمینار میں شرکت کرنے والے پروفیسروں، ریسرچ اسکالروں اور طلباء کو ٹیٹو فیکٹا دیے جائیں گے۔ پروگرام کی نظامت کے فرائض محمود ملک انجام دیں گے۔ ڈاکٹر نصرت مہدی بھوپال کے تمام مہمان ادب سے پروگرام میں شرکت کی درخواست کی ہے۔

روزنامہ ندیم بھوپال

بدھ 5 اپریل 2023

اُردو اکیڈمی کا جشن میر 18 اپریل کو بھوپال میں

ڈاکٹر تقی عابدی، ضیاء فاروقی اور عزیز عرفان مقرر ہوں گے

اسٹیٹ میوزیم شیامہ ہلس بھوپال میں دوپہر دو بجے سے منعقد ہوگا۔ اس اہم ادبی تقریب میں ڈاکٹر تقی عابدی کینیڈا، ضیاء فاروقی بھوپال اور عزیز عرفان اندور اظہار خیال فرمائیں گے جبکہ محمود ملک بھوپال نظامت کے فرائض انجام دیں گے۔ اس موقع پر جشن اُردو میں حصہ لینے والے ادیبان ملک کے شرکاء کو سرٹیفکیٹ سے نوازا جائے گا۔

بھوپال، 4 اپریل (رپورٹر) بدھ پریس اُردو اکیڈمی برائے سکرتی پریشد محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام آئندہ آٹھ اپریل کو اُردو اور فارسی کے شہرہ آفاق شاعر خدائے سخن میر تقی میر کی یاد میں سہ صد سالہ جشن میر کا انعقاد کیا جا رہا ہے۔

اُردو اکیڈمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی صاحبہ نے بتایا کہ جشن میر کا انعقاد 18 اپریل 2023 کو بمقام

انیم پی اردو اکادمی کے ذریعے صد سالہ جشن میر کے تحت سیمینار 18 اپریل کو بھوپال میں

تحت 18 اپریل کو اسٹیٹ میوزیم میں میر تقی میر پر سیمینار کا انعقاد کیا جا رہا ہے جس میں اردو کے معروف دانشور اور ادیب ڈاکٹر تقی مابدی - کینیڈا، ضیا قاروقی - بھوپال اور عزیز عرفان - اندور خدائے سخن میر پر اپنے خیالات کا اظہار کریں گے۔ اس موقع پر جشن اردو میں حصہ لینے والے اوپن مانگ کے شرکاء کو سرٹیفکیٹ تقسیم کیے جائیں گے۔ ساتھ ہی سیمینار میں شرکت کرنے والے پروفیسروں، ریسرچ اسکالروں اور طلباء کو سرٹیفکیٹ دیے جائیں گے۔ پروگرام کی نظامت کے فرائض محمود ملک انجام دیں گے۔

ڈاکٹر نصرت مہدی بھوپال کے تمام مہمان ادب سے پروگرام میں شرکت کی درخواست کی ہے۔

بھوپال، 6 اپریل: مدھیہ پردیش اردو اکادمی محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام سلسلہ کے تحت صد سالہ جشن میر کے موقع پر مستند ہے میرا فرمایا ہوا عنوان پر جنی سیمینار بتاریخ 18 اپریل 2023 کو دوپہر 2 بجے اسٹیٹ میوزیم آڈیٹوریم، شیلڈ ہلس، بھوپال میں منعقد کیا جائے گا۔

اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کے بارے میں بتاتے ہوئے کہا، جیسا کہ آپ سبھی جانتے ہیں کہ اس وقت دنیا بھر میں اردو کے عظیم شاعر میر تقی میر کا صد سالہ جشن منایا جا رہا ہے۔ مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی ہمیشہ یہ کوشش رہی ہے کہ اردو کے عظیم شعرا کو یاد کرتے ہوئے ان پر پروگرام منعقد کرے تاکہ نئی نسل بھی ان شعرا کے کارناموں سے واقف ہو۔ اسی سلسلے کے

روزنامہ ندیم بھوپال

سنچر 8 اپریل 2023

اردو اکیڈمی کا جشن میر آج

بھوپال 17 اپریل رپورٹر۔ مدھیہ پردیش اردو اکیڈمی برائے مسکرتی پریشد محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام آٹھ اپریل کو اردو اور فارسی کے شہرہ آفاق شاعر خدائے سخن میر تقی میر کی یاد میں سہ صد سالہ جشن میر کا انعقاد کیا جا رہا ہے۔ جشن میر کا انعقاد 8 اپریل 2023 کو بمقام اسٹیٹ میوزیم شیلہ ہلس بھوپال میں دوپہر دو بجے سے منعقد ہوگا۔ اس اہم ادبی تقریب میں: مستند ہے میرا فرمایا ہوا: عنوان پر سیمینار میں ڈاکٹر لقی عابدی کینیڈا، ضیاء فاروقی بھوپال اور عزیز عرفان اندورا اظہار خیال فرمائیں گے جبکہ محمود ملک بھوپال نظامت کے فرائض انجام دیں گے۔ اکیڈمی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے سبھی اہل ذوق حضرات سے شرکت کی درخواست کی ہے۔





